



भारत का राजपत्र The Gazette of India

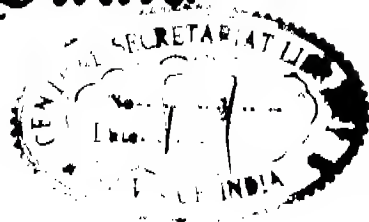
प्रसाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 2] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 1, 1976/पौष 11, 1897

No. 2] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 1, 1976/PAUSA 11, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 1st January 1976

SUBJECT.—Exports to Arab Republic of Egypt under Indo-ARE Trade Arrangement 1976.

No. 1-ETC(PN)/76.—It is notified for the information of all exporters that Indo-ARE Trade Arrangement for the period 1st January, 1976 to 31st December, 1976, has been concluded.

2. Attention of all exporters is invited to Public Notices No. 9-ETC(PN)/71 dated 17th November, 1971, No. 7-ETC(PN)/73 dated the 13th March, 1973 and Nos. 38-ETC(PN)/73 dated the 24th November, 1973 wherein procedure for centralised confirmation of Letters of Credit for exports to the Arab Republic of Egypt under Indo-ARE Trade Arrangements had been laid down. The same system of centralised confirmation of Letters of Credit by the State Bank of India, Bombay will be continued for exports to Arab Republic of Egypt under Indo-ARE Trade Arrangement 1976. The procedure to be followed is detailed below;—

- (1) All exports to Arab Republic of Egypt under the Indo-ARE Trade Arrangement should be made only against valid Letters of Credit reconfirmed by the State Bank of India, Bombay. It should be noted that this reconfirmation is to be in addition to the normal confirmation to be given by the Bank on which the credit is opened.

- (2) Exports to Arab Republic of Egypt under the above Trade Arrangement will be permitted only in respect of contracts registered with State Bank of India, Bombay specifically under this Trade Arrangement. Contracts registered under the earlier Indo-ARE Trade Arrangements will not be permitted to be executed unless fresh registration under the new Trade Arrangement is secured.
- (3) As and when shipments are effected to Arab Republic of Egypt against the contracts registered with the State Bank of India, Bombay, the value of shipment and the balance value of the contract should be intimated to the State Bank of India, Bombay quoting their registration number and the particulars of the credit concerned.
- (4) Since the present Indo-ARE Trade Arrangement expires on 31st December, 1976, all shipments against contracts registered under this Trade Arrangement must be completed before 31st December, 1976.
- (5) It may be noted that under this Indo-ARE Trade Arrangement, no contracts can be entered into for exports to Arab Republic of Egypt on deferred payment terms.

(MISS) ROMA MAZUMDAR,

Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1976

विषय.—भारत-मिश्र के अरब गणराज्य व्यापार व्यवस्था, 1976 के अन्तर्गत मिश्र के अरब गणराज्य को निर्यात ।¹

सं० ई० टी० सी० (पी एन)/76.—सभी निर्यातकों की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि 1-1-1976 से 31-12-1976 तक की अवधि के लिए भारत-मिश्र के अरब गणराज्य व्यापार व्यवस्था के सम्बन्ध में निर्णय ले लिया गया है ।

2. सभी निर्यातकों का ध्यान सार्वजनिक सूचना संख्या : 9-ईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 17 नवम्बर, 1971, संख्या : 7-ईटीसी (पीएन)/73, दिनांक 13 मार्च, 1973 एवं संख्या 38-ईटीसी (पीएन)/73, दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिनमें भारत-मिश्र अरब गणराज्य व्यापार व्यवस्थाओं के अन्तर्गत मिश्र अरब गणराज्य को निर्यातों के लिए साखपत्र के केन्द्रीभूत पुष्टीकरण के लिए क्रियाविधि निर्धारित की गई थी । स्टेट बैंक आफ इन्डिया, बम्बई द्वारा केन्द्रीभूत पुष्टीकरण के लिए साखपत्र की वही पद्धति भारत-मिश्र अरब गणराज्य व्यापार व्यवस्था, 1976 के अन्तर्गत मिश्र के अरब गणराज्य को निर्यातों के लिए लागू रहेगी । अपनाई जाने वाली क्रियाविधि का विवरण इस प्रकार है :—

- (1) भारत-मिश्र के अरब गणराज्य व्यापार व्यवस्था के अन्तर्गत मिश्र के अरब गणराज्य को सभी निर्यात स्टेट बैंक आफ इन्डिया, बम्बई द्वारा पुनः पुष्टीकृत बैंध साखपत्रों के मद्दे ही किए जाने चाहिए । इसे नोट कर लेना चाहिए कि बैंक द्वारा यह पुनः पुष्टीकरण उसके द्वारा दिए जाने वाले उस सामान्य पुष्टीकरण के अलावा होगा जिस पर साखपत्र खोला जाता है ।

- (2) उपर्युक्त व्यापार व्यवस्था के अन्तर्गत मिश्र के अरब गणराज्य को निर्यातों की स्वीकृति विशेषतः प्रस्तुत व्यापार व्यवस्था के अन्तर्गत स्टेट बैंक आफ इन्डिया, बम्बई के पास पंजीकृत संविदाओं के सम्बन्ध में ही दी जाएगी। पूर्व की भारत-मिश्र के अरब गणराज्य व्यापार व्यवस्थाओं के अन्तर्गत पंजीकृत संविदाओं के निष्पादन के लिए तब तक अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि नई व्यापार व्यवस्था के अन्तर्गत नया पंजीकरण प्राप्त नहीं कर लिया जाता है।
- (3) स्टेट बैंक आफ इन्डिया, बम्बई के पास पंजीकृत की गई संविदाओं के मद्दे मिश्र अरब के गणराज्य के लिए पोतलदान जब और जैसे ही प्रभावी किए जाते हैं तो स्टेट बैंक आफ इन्डिया, बम्बई को उनके पंजीकरण संख्या और सम्बद्ध साख के व्यौरों का हवाला देते हुए पोतलदान के मूल्य और संविदा में शेष मूल्य के बारे में सूचना देनी चाहिए।
- (4) चूंकि प्रस्तुत भारत-मिश्र के अरब गणराज्य व्यवस्था 31 दिसम्बर, 1976 को समाप्त हो जाती है इसलिए इस व्यापार व्यवस्था के अन्तर्गत पंजीकृत की गई संविदाओं के मद्दे सभी पोतलदान 31 दिसम्बर, 1976 से पूर्व अवश्य ही पूर्ण हो जाने चाहिए।
- (5) इसे नोट कर लेना चाहिए कि प्रस्तुत भारत-मिश्र के अरब गणराज्य व्यापार व्यवस्था के अन्तर्गत आस्थगित भुगतान व्यवस्थाओं के आधार पर मिश्र के अरब गणराज्य को निर्यातों के लिए कोई भी संविदा नहीं की जा सकती है।

(कुमारी) रोमा मजूमदार,
मूख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

